तल्बिया : "लब्बैक अल्लाहुम्म लब्बैक्, लब्बैक ला शरीक लक लब्बैक्, इन्नल् हम्द वन्नि'अ्मत लक वलमुल्क ला शरीक लक्" (इह़राम की नियत करने के समय से तवाफ़ करने तक, और दोबारा हज के लिए इह़राम की नियत करने से जम्रए अक़्बा को कंकरियां मारने तक ज़्यादा से ज़्यादा तल्बिया पूकारना चाहिए)

यह दुआ पढ़ते हुए तवाफ़ शुरू करें : "अल्लाहुम्म ईमानन् बिक व तस्दीकन् बिकिताबिक व वफाअन् बिअह्दिक वत्तिबाअल् लिसुन्नति नबीय्यिक मुहम्मदिन् सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम्" "बिस्मिल्लाहि वल्लाहु अक्बर्"

रुक्ने यमानी और ह़ज्रे अस्वद के बीच में इस दुआ को पढ़ें : "रब्बना आतिना फ़िद्दुन्या ह़सनतौं व फ़िल् आख़िरति ह़सनतौं वक़िना अ़ज़ाबन्नार्"

सफ़ा के क़रीब पहुंच कर यह आयत पढ़ें :

{ إن الصفا والمروة من شعائر الله } (سورة البقرة : ١٥٨)

सफ़ा और मर्वा पर हर चक्कर में तीन तीन बार यह दुआ पढ़ें : "लाइलाह इल्लल्लाहु, वल्लाहु अक्बर्, लाइलाह इल्लल्लाहु वह़्दहू ला शरीक लहु, लहुल् मुल्कु व लहुल् ह़म्दु व हुव अला कुल्ले शैइन् क़दीर्, लाइलाह इल्लल्लाहु वह्दह्, अन्जज़ वा'अ्दह्, नसर अब्दह्, व ह़ज़मल् अह़्ज़ाब वह़्दह्"

अरफ़ा में की जाने वाली सब से बेहतरीन दुआ यह है : " लाइलाह इल्लल्लाहु वह्दहू ला शरीक लहु, लहुल् मुल्कु व लहुल् ह़म्दु व हुव अला कुल्ले शैइन् क़दीर्"।

इह़राम के समय प्रतिबन्धित चीज़ें : क- शरीर के किसी भी भाग के बाल को काटना या उखाड़ना। ख- नाखून काटना। ग- सुगन्धित चीजें प्रयोग करना। घ- स्थलिय शिकार करना या किसी शिकारी को उस के बारे में बताना, समुद्री शिकार करना जायज़ है। ङ- शादी-विवाह या सगाई करना कराना। च- पत्नी के साथ सम्बन्ध करना, छ- पत्नी को यौन इच्छा से छूना, गोद में लेना, अथवा चुम्मा देना इत्यादी । ज, झ- मर्द के लिए सिला हुआ कपड़ा पहन्ना, या सर और चेहरे को ढकना। ञ- औरत के लिए निक़ाब और दस्ताना पहन्ना, लेकिन उस के लिए ग़ैर मर्दों के सामने अपने चेहरे और हाथ को दुपट्टा वग़ैरः से ढकना अनिवार्य है।

टिप्पनी : अरफ़ा के दिन और मिना में ११,१२ और १३ ज़ुल्ह़िज्जा को ज़्यादा से ज़्यादा ज़िक्र करना, क़ुर्आन पढ़ना, तक्बीर और तह्लील करना सुन्नत है। इसी तरह इन दिनों दावत देना, भलाई की तरफ़ बुलाना बुराई से रोकना और अच्छे काम करना मुस्तहब हैं।

तक्बीर : अल्लाहु अक्बर अल्लाहु अक्बर लाइलाह इल्लल्लाहु वल्लाहु अक्बर अल्लाहु अक्बर व लिल्लाहिल्हम्द। तह्लील : लाइलाह इल्लल्लाहु वह़्दहू ला शरीक लहु, लहुल् मुल्कु व लहुल् ह़म्दु व हुव अला कुल्ले शैइन् क़दीर्,

دليل الحاج

باللغة الهندية

إعداد
قسم الترجمة بالمكتب

हज निर्देशिका

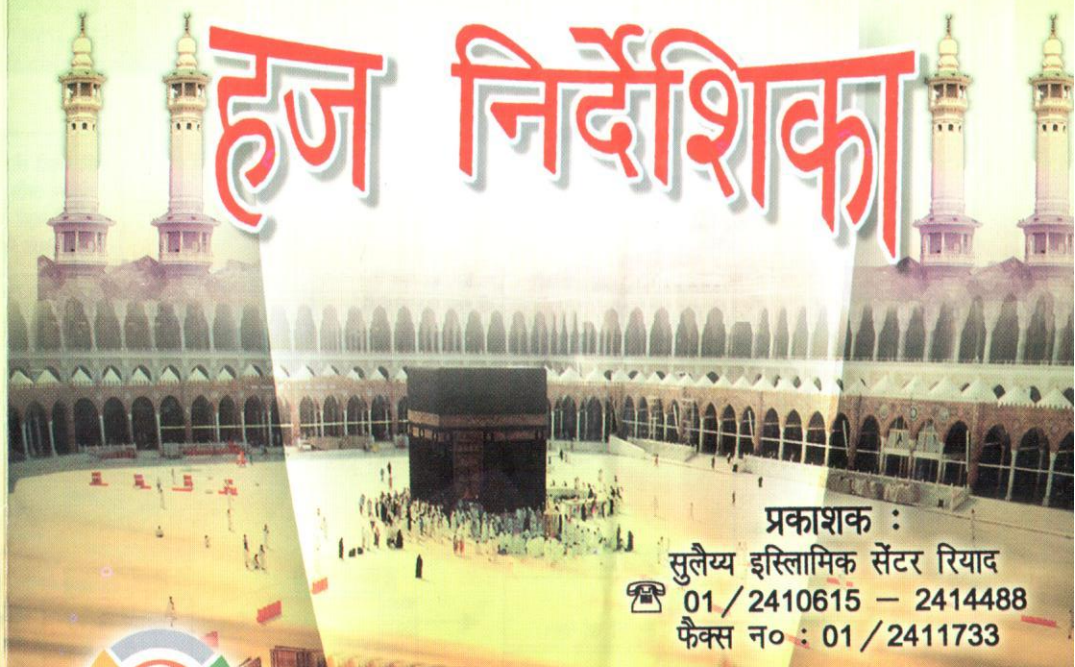

प्रकाशक :
सुलैय्य इस्लामिक सेंटर रियाद
☎ 01/2410615 — 2414488
फैक्स न० : 01/2411733

مكتب الدعوة بالسلي
الرياض — السلي - هاتف ٢٤١٤٤٨٨ — ٢٤١٠٦١٥ ناسوخ ٢٤١١٧٣٣